Zagdu Singh Charitable Trust's (Regd.)
THAKUR PUBLIC SCHOOL
(Affiliated to the Council for the Indian School Certificate Examinations, New Delhi)
ISO 9001 : 2015 CERTIFIED
Near Thakur College Ground, Thakur Village, Western Express Highway,
Kandivali (E), Mumbai - 400 101. | Tel.: 022-66997711 / 66997722 | Telefax : 022-66997733
E-mail : tps@thakureducation.org | Website : www.thakureducation.org | www.tpsmumbai.in

HINDI

(Three Hours)

Answer to this paper must be written on the paper separately.

You will **not** be allowed to write during the first **15** minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this paper is the time allowed for writing the answers.

Attempt **all** questions from **Section A** and any **four** questions from **Section B.**

The intended marks for questions or parts of a question are given in the brackets [ ]

Section A (40 Marks)`

*Attempt **all** questions.*

Question 1:- *Write a short composition in **Hindi** in not less than **Two hundred And fifty (250)** words on any **one** of the following topics :-* [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग (२५०)शब्दों में निबंध लिखिए ः

१.आज का युग कंप्यूटर का युग है ; अतः आधुनिक युग में विविध क्षेत्रों में कंप्यूटर की उपयोगिता को ध्यान में रखकर एक सारगर्भित प्रस्ताव लिखिए |

२.आज समाज के हर क्षेत्र में भ्रष्टाचार बढ़ता जा रहा है | इसके कारण , दुष्प्रभाव तथा समाधान के उपायों पर अपने विचार प्रकट कीजिए |

३.संयुक्त परिवार के किसी ऐसे उत्सव के आनंद का विस्तार से वर्णन कीजिए , जहां आपके परिवार के बच्चे-बुर्जुग सभी उपस्थित थे |

४. 'सेवा करे सो मेवा पाय' - उक्ति को स्पष्ट करते हुए एक मौलिक कहानी लिखिए |

५.नीचे दिए गए चित्र को आधार मानकर कहानी अथवा लेख लिखिए |जिसका सीधा संबंध चित्र से हो |

.Question 2 *:* -

Write a letter in Hindi on any one of the topics given below : -

किसी एक विषय पर लगभग (१२०)शब्दों में पत्र लिखिए: [7]

१.आपके मुहल्ले में बच्चों के खेलने के लिए किसी प्रकार की व्यवस्था नहीं है | नगर-निगम के अध्यक्ष को पत्र लिखकर एक बाल उद्यान बनवाने की प्रार्थना कीजिए |

२.ग्रीष्मावकाश में अपनी योजना की जानकारी देते हुए अपने माता-पिता को पत्र लिखिए |

Question 3

Read the passage given below carefully and answer in Hindi the questions that follow , using your own words as far as possible : -

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर यथा संभव अपने शब्दों में लिखें | [10]

वैसे तो अपनी प्रशंसा सुनना प्रत्येक व्यक्ति को अच्छा लगता है परंतु राजा ब्रह्मदत्त अपनी प्रशंसा सुनकर तंग आ गए थे। वे चाहते थे कि कोई उन्हें उनके अवगुणों से भी परिचित करवाए।

एक दिन इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु वे भेस बदलकर राज्य में घूमने निकल पड़े। चलतेचलते वे एक आश्रम के पास पहुंचे। वह आश्रम महात्मा बोधिसत्व का था। वे आश्रम के अंदर गए और महात्मा बोधिसत्व को श्रद्धापूर्वक प्रणाम करके बैठ गए। उसके पश्चात् बोधिसत्व ने उन्हें आतिथ्य प्रदान करते हुए खाने के लिए कुछ कंदमूल तथा फल दिए। इतने स्वादिष्ट फलों को चखकर राजा ब्रह्मदत्त हैरान रह गए। फिर उन्होंने पानी पीकर अपनी प्यास बुझाई। राजा ब्रह्मदत्त ने अपनी जिज्ञासा को शांत करने हेतु पूछा"भगवान □इतने अमृततुल्य फल तो मैंने आज तक नहीं चखे। इसका क्या रहस्य है □ बोधिसत्व ने उत्तर दिया"आत्मन□ऐसा प्रतीत होता है इस राज्य का राजा धर्म और न्याय के अनुसार ही शासन करता है इसलिए यह फल मधु से भी मीठे हैं। यदि ऐसा न हो तो पूरे राज्य में अव्यवस्था फैल जाएगी तथा संपूर्ण राष्ट्र निर्बल हो जाएगा। राजा के अधर्मी होने पर फल भी कड़वे व नीरस हो जाएँगे। ब्रह्मदत्त अपना परिचय दिए बिना वहाँ से चल दिए। वापस आकर भी उनके कानों में बोधिसत्व के शब्द गूंजते रहे। उन्होंने मनहीमन सोचा और बोधिसत्व के कथनों को परखने के निश्चय किया।

तत्पश्चात् उन्होंने अधर्म तथा अन्यायपूर्वक शासन करना शुरू कर दिया। चारों तरफ़ घोर अनाचार प्रारंभ हो गया। दूर दूर तक उनकी घोर निंदा होने लगी। कुछ समय पश्चात् राजा पुनः भेस बदलकर बोधिसत्व के आश्रम में पहुँचे। उन्हें श्रद्धापूर्वक प्रणाम कर वे शांत भाव से वहाँ बैठ गए। बोधिसत्व ने उनका अभिवाद स्वीकार करते हुए उन्हें खाने हेतु फिर पके हुए फल तथा कंदमूल दिए। राजा ने जैसे ही फल खाए तो उन्हें फल बहुत ही नीरस तथा कड़वे प्रतीत हुए। राजा ने पूछा -"ऋषिवर ये फल इतने कड़वे तथा रसहीन क्यों हैं□

बोधिसत्व ने उत्तर दिया -"निश्चय ही यहाँ का राजा अत्याचारी तथा अन्यायी हो गया है जिसका प्रभाव पेड़ पौधों पर भी लक्षित हो रहा है। इसी कारण ये फल कड़वे तथा नीराश हो गए हैं।"राजा की जिज्ञासा को शांत करने के लिए बोधिसत्व ने कहा -" यदि राज्य का नेता कुटिल तथा टेढ़ी मार्ग पर चलने लगे तो सारी प्रजा भी भ्रष्ट हो जाती है ।इसका प्रभाव राजा के साथ -साथ वनस्पति तथा पेड़ पौधों पर भी पड़ता है।"

१.राजा ब्रह्मदत्त भेस बदलकर क्यों गए? वे घूमते-घूमते कहां पहुंचे ? [2]

२. राजा ब्रह्मदत्त की हैरानी का क्या कारण था? बोधिसत्व ने उनकी जिज्ञासा कैसे शांत की? [2]

३. बोधिसत्व के कथनों की परख राजा ब्रह्मदत्त ने किस प्रकार की ? [2]

४.राज्य के फल कड़वे और नीरस क्यों हो गए थे? [2]

५. बोधिसत्व ने राजा को क्या उदाहरण दिया और क्यों? [2]

Question 4

Rewrite the following sentences as directed *:* -

निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ः

१. किन्हीं **दो शब्दों** के विलोम शब्द लिखिए ः [1]
१.स्वकीया २.हास्य ३.सम ४.क्षम

२.निम्नलिखित **किन्हीं दो** शब्दों के भाववाचक संज्ञा रुप लिखिएः [1]
१.बौना २.सरल ३.दूर ४.बहना

३.किसी **एक शब्द** के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए ः [1]
१.राजा २.श्वेत ३.संसार

४.निम्नलिखित **किन्हीं दो** शब्दों के विशेषण रूप लिखिए ः [1]
१.खेल २.पिता ३.यदु ४.कमाना

५.**किसी एक** मुहावरें की सहायता से वाक्य बनाइये ः [1]
१.जान के लाले पड़ना २.तारे गिनना

६.सूचनानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए ः
१.रोगी की <u>दिशा</u> ठीक नहीं है |(रेखांकित शब्द के स्थान पर सही शब्द का प्रयोग कीजिए) [1]
२.बच्चे आम तोड़ने के लिए वृक्षों पर चढ़ गए | (वचन बदलिए) [1]
३.बादल घिरते ही मोर नाचने लगे | |(मिश्रित वाक्य में बदलिए) [1]

Section B (40 Marks)

Attempt four questions from this Section.

You must answer at least one question from each of the two books you have studied and any two other questions.

साहित्य सागर

गद्य भाग (कहानियाँ)

Question 5

अनुच्छेदः "सेठ ने आद्योपांत सारी कथा सुनाई | सुनकर सेठानी की सारी वेदना जाने कहां विलीन हो गई |"

(महायज्ञ का पुरस्कार....यशपाल)

१. सेठ कौन है ? उनका चरित्र-चित्रण कीजिए | [2]

२. सेठ को सारी कथा क्यों सुनानी पड़ी? [2]

३. सेठ ने मार्ग में कौन-सा मानवोचित व्यवहार किया था ? क्या उस दशा में उन्हें वह कार्य करना चाहिए था ?अपने विचार लिखिए | [3]

४. कहानी का शीर्षक कहाँ तक सार्थक है ? स्पष्ट करें | [3]

Question 6

अनुच्छेदः "और , जब पंचायत का चुनाव हुआ तो भेड़ों ने अपनी हित-रक्षा के लिए भेड़ियों को चुना |"

(भेड़ें और भेड़िए.....हरिशंकर परसाई)

१. पंचायत के चुनाव से पहले भेड़ों ने क्या सोचा था ? समझाकर लिखिए | [2]

२. पंचायत के चुनाव से पहले भेड़ियों की चिंता का क्या कारण था | [2]

३. चुनाव के समय बूढ़े सियार ने क्या भूमिका निभाई और क्यों ? स्पष्ट करें | [3]

४. भेड़ें और भेड़िए समाज के किस वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं ? समझाकर लिखें | [3]

Question 7

अनुच्छेदः "अगर तुम्हें कोई ज़्यादा दे तो चले जाओ| मैं तनख्वाह नहीं बढ़ाऊंगा |"

(बात अठन्नी की.....सुदर्शन)

१. ये वाक्य किस संदर्भ में कहे गए हैं ? स्पष्ट कीजिए | [2]

२. श्रोता कौन है ? उसकी आर्थिक स्थिति कैसी थी ? विस्तार से लिखिए | [2]

३. वक्ता का अपने नौकर के प्रति कैसा व्यवहार था ?क्या वह उचित था ?अपने विचार भी लिखिए| [3]

४. कहानी के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहते है? स्पष्ट करें | [3]

पद्य भाग (कविता)

Question 8

पद्यांश ः "बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर जुहार की
"बरस बाद सुधि लीन्ही"
बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की
हरसाया ताल लाया पानी परात भर के
मेघ आये बन-ठन के संवर के"

(मेघ आये.....सर्वेश्वर दयाल सक्सेना)

१.पीपल को बूढ़ा क्यों कहा गया है ?उसका ग्रामीण संस्कृति में क्या महत्त्व है ? [2]
२.मेघ की समानता किससे की गई है ?वे कहां , कितने वर्ष बाद आए ? [2]
३."बरस बाद सुधि लीन्ही"ये शब्द किसने ,किससे तथा क्यों कहे ?स्पष्ट करें | [3]
४.कविता का केन्द्रीय भाव अपने शब्दों में लिखें | [3]

Question 9

पद्यांश "मैया मेरी चंद्र खिलौना लैहौं।।
धौरी को पय पान न करिहौं बेनी सिर न गुथैहौं।
मोतिन माल न धरिहौं उर पर झुंगली कंठ न लैहौं।।
जैहों लोट अबहिं धरनी पर तेरी गोद न ऐहौं।
लाल कहैहौं नंद बबा को तेरो सुत न कहैहौं।
कान लाय कछु कहत जसोदा दाउहिं नाहिं सुनहीं
चंदा हूँ ते अति सुंदर तोहिं नवल दुलहिया ब्यैहों
तेरी सौं मेरी सुन मैया अबहीं ब्याहन जैहौं।
सूरदास सब सखा बराती नूतन मंगल गैहौं"

(सूर के पद .....सूरदास)

१. प्रस्तुत पंक्ति में कौन ,किससे और क्या ज़िद कर रहा है?समझाकर लिखिए | [2]
२. वह अपनी ज़िद किस प्रकार व्यक्त कर रहा है? [2]
३. कवि का जीवन एवं साहित्यिक परिचय दीजिए | [3]
४.शब्दार्थ लिखिएः १.धरनी २.सुत ३.मैया ४.सौं ५.दाउहि ६.धौरी [3]

Question 10

पद्यांश "झरने अनेक झरते जिसकी पहाड़ियों में
चिड़ियाँ चहक रही हैं हो मस्त झाड़ियों में
अमराइयाँ घनी हैं कोयल पुकारती है।
बहती मलय पवन है तनमन सँवारती है।
वह धर्मभूमि मेरी वह कर्मभूमि मेरी।
वह जन्मभूमि मेरी वह मातृभूमि मेरी।।"

(वह जन्मभूमि मेरी.... सोहन लाल द्विवेदी)

१. प्रस्तुत पद्यांश में कवि ने चिड़ियों और झरनों की बात क्यों की है ? [2]
२. अमराइयां किसे कहते हैं ? कोयल कब पुकारती हैं? [2]
३. मलय पवन से क्या तात्पर्य है ? उसका हमारे जीवन में क्या महत्त्व है ? स्पष्ट कीजिए | [3]
४. कवि भारतभूमि को किन-किन नामों से पुकारते हैं ? [3]